

BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

Personal Details

Author Name	सुशील पाण्डेय
Father Name	शवि बचन पाण्डेय
Date of Birth	1981-01-05
Contact No	8240913844
Alternate contact no.	8448579933
e-mail ID	sushilara_mim@rediffmail.com
Nominee Name	Rashmi Pandey
Correspondence Address :	Vill- Motirampur, Post- Kalyanpur, Dist- Bhojpur
Landmark	Shiv mandir
City	Bihiya
State	Bihar
Pin Code	802154
Country	India

BANK DETAILS

Account holder's name	Sushil Kumar Pandey
Account No.	032801511378
Bank Name	ICICI BANK

Branch	Mango
IFSC Code	ICIC0001412
Pan No.	BOHPP1997P

Book Details

Book Title	चढिठियाँ
How would you like your name to appear on book?	सुशील पाण्डेय
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Poetry
Number of images (If any)	1
Manuscript Status	Completed
Book Size	6"x9"

Cover details

Synopsis

यह कतिब पूरव प्रेमकिा को लखि गये प्रेमपत्र का काव्य रूपांतरण है जसिका उद्देश्य अनकही भावनाओं को इस कतिब के माध्यम से उसके आज मे खलल डाले बनिा उस तक पहुंचाना है। जीवन के आपाधापी मे बहुत सी बातें जो बता देनी चाहएि समय रहते पर मध्यमवर्गीय युवाओं की ये असमंजस हमेशा से रही है और लाजमि भी है बेरोजगारी के दौर मे परवारि के अपेक्षाओं पर खरा उतरने के जद्दोजहद मे आंतरकि बहुत सी भावनायें अंदर ही अंदर दफन हो जाती हैं। जनिका उस तक पहुंचना आवश्यक है जसिके लएि वो आई हैं भले देर से ही सही पर इस बात का ख्याल हमेशा हो ककिसी का वर्तमान प्रभावति ना हो।

Blurb

मैं कुछ बताना चाहता हूँ तुम्हें..... और साथ ही धन्यवाद भी करना चाहता हूँ उस सबके लिए जो तुमने मुझे दिया इन साथ साथ बताये वर्षों में।

जो मेरे लिए अब भी बहुत उपयोगी साबित हो रहा है एक सफल वैवाहिक जीवन व्यतीत करने में उस सबके लिए तुम्हारा आभार

कैसे तुमसे जुड़ाव ने मेरी जिंदगी को सकारात्मक मोड़ दे दिया?

कैसे हर चौराहे पर प्यार करने वाले को तुमसे हो जाने के बाद फिर किसी से हुआ ही नहीं?

कैसे किसी के समक्ष कमजोर तक न देखिने वाला तुम्हारे सामने फूट-फूटकर रोना सीख गया?

कैसे कभी किसी की चिंता न करनेवाले ने तुम्हारी परवाह को ही अपने जीवन का अहम हिस्सा बना लिया?

कैसे इन थोड़े से वर्षों ने मुझे तेरा हमेशा ख्याल रखने की खातिर खुद की सबसे ज्यादा चिंता करना सिखा दिया?

हां ये भी है कई बार बहुत तकलीफ भी दिया होगा मैंने, पर सच मानो ऐसा जान-बूझकर कर कभी नहीं हुआ हां ठीक है उसके लिए माफी जरूर नहीं मांगा मैंने, पर भावनाओं में कलुषिता का न होना ही बनि मांगे क्षमा का हकदार तो बना ही देता है मुझे।

Author Bio

नाम : सुशील कुमार पाण्डेय

शिक्षा : स्नातकोत्तर (प्रबंधन),

स्नातक: सूचना प्रौद्योगिकी

जन्म : 05/01/1981

जन्म स्थान : जसरा, उत्तर प्रदेश

कार्य : नज्जी कम्पनी में कार्यरत

कार्य स्थल : कोलकाता, पश्चिम बंगाल

रूचि: साहित्य पठन/लेखन